Government of Rajasthan
Directorate of Medical, Health and Family Welfare
Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur
Tel.No. 0141-221590, Email ID: md-nrhm-rj@nic.in

F.No.: F.21(6)/NHM/Deworming/2017/6491 Date: 4/1/17

Secretary & Commissioner
Panchayati Raj Department, Rajasthan

Subject: Inclusion of National Deworming Day agenda in Gram Sabha to be organised on January 26, 2017

The Department of Medical, Health & Family Welfare, Education and ICDS have been organising the school and anganwadi based mass deworming program since 2012 with technical assistance from UNICEF and Evidence Action-Deworm the World Initiative (DtWI). Since 2015 this program has come under the aegis of National Deworming Day (NDD), which is an initiative by the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India.

Deworming is significant for children as it improves their health (prevents anaemia, malnourishment, impaired mental and physical development) and leads to better education (improves attendance and retention of children in school and anganwadis) and livelihood opportunities (better adult outcomes and economic development) for them.

For the success of the NDD program community mobilization is an important element. For the NDD 2017, to be held on February 10, 2017, followed by a Mop-up day on February 15, in all the schools (government, private, kendriya vidhyalaya, navodaya vidhyalaya, madarsa) and anganwadi centers, you are requested to support in the community mobilization activities of the program by inclusion of NDD as one of the discussion agenda points in Gram Sabha to be organised on January 26, 2017. This would help in spreading awareness among various stakeholders and general public, and in reaching a high coverage and ensuring that children lead healthier and worm free lives.

In this regard, you are requested to issue directions to your district/block officials detailing what is expected from them, and share a copy of the letter with the Nodal Officer, Deworming at the Department of Health (Email: wifs.raj@gmail.com, 08764848526).

A note on National Deworming Day and role of Sarpanch in the same has been enclosed which can be used in Gram Sabha for spreading awareness.

I look forward to cooperation from your end.

(Naveen Jain)
Secretary & MD, NHM
Department of Medical, Health and FW
Rajasthan, Jaipur

Copy to:

1. PS to Principal Secretary, Medical, Health & FW, Rajasthan
2. PA to Mission Director, NHM
3. Commissioner, RCEE, Jaipur
4. Director, RMSA, Jaipur
5. Director, Elementary Education department, Bikaner
6. Director, Secondary Education department, Bikaner
7. Director, ICDS, Jaipur
8. Director RCH, Health & FW Services

wifs.raj@gmail.com

NDD Link : http://nrhmrajasthan.nic.in/National%20Deworming%20Day%202016.asp

Government of Rajasthan
Directorate of Medical, Health and Family Welfare
Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur
Tel.No. 0141-221590, Email ID: md-nrhm-rj@nic.in

9. State Nodal Officers for Deworming (Health, Education & ICDS)
10. State Program Manager, Evidence Action-Deworm the World Initiative, Jaipur
11. Nutrition Specialist, UNICEF, Jaipur
12. CO – IT, Center Server Room for email and uploading on website
13. Guard File

Secretary & MD, NHM
Department of Medical, Health and FW
Rajasthan, Jaipur

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 2017 के क्रियान्वयन में सरपंच की भूमिका

ग्राम पंचायत में विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर कार्य करने के साथ–साथ बच्चों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। ग्राम स्तर पर बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए गए हैं तथा इस दिशा में और अधिक सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है।

बच्चों की आंत (पेट) में कृमि (कीड़े) संक्रमण के बहुत से हानिकारक प्रभाव है जैसे खून की कमी (एनीमिया), कुपोषण, भूख न लगना, थकान और बेचैनी, मल में खून आना, पेट में दर्द, मितली, उल्टी और दस्त आना। साक्ष्य सिद्ध करते है कि उपरोक्त सभी समस्याओं के निराकरण के लिए कृमि नियंत्रण एक प्रभावी उपाय है। बच्चों को कृमि नियंत्रण के सीधे फायदे खून की कमी में सुधार और बेहतर पोषण स्तर है जबकि अनुमानित फायदों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद, विद्यालय और आंगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार, भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी शामिल है।

कृमि मुक्ति कार्यक्रम के विगत चार चरणों की भांति इस वर्ष भी राज्य सरकार द्वारा 10 फरवरी 2017 को राज्य के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों और राजकीय एवं निजी विद्यालयों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सरपंच से निम्नलिखित सहयोग अपेक्षित है:

- ग्राम स्तर पर कृमि नियंत्रण के महत्त्व को आमजन (विशेषतः माता–पिता एवं अभिभावक) को बताना और समुदाय में जागरूकता पैदा करना।
- कृमि मुक्ति कार्यक्रम के बारे में 10 फरवरी 2017 से पहले पंचायत की बैठकों में चर्चा करके कार्यक्रम सम्पादन हेतु कार्य–योजना का निर्माण करना।
- विद्यालय में नामांकित और विद्यालय न जाने वाले बच्चों के साथ संवाद करके उन्हें कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित करना।
- विद्यालय न जाने वाले बच्चों के माता–पिता एवं अभिभावकों से सम्पर्क करके उन्हें बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दिन (10 फरवरी 2017) आंगनबाड़ी केन्द्र में भेजने के लिए प्रोत्साहित करना।
- वार्ड पंच और पंचायत/ग्राम स्तर पर कार्यरत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों (ए.एन.एम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, आशा सहयोगिनी, पटवारी, ग्रामसेवक, अध्यापक आदि) की कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करना।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के आयोजन से पूर्व ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल एवं पोषण समिति की बैठक मे चर्चा उपरांत सभी समिति सदस्यों की कार्यक्रम हेतु भूमिका तय करना।
- प्रधानाध्यापक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से सम्पर्क करके कार्यक्रम के आयोजन से सम्बन्धित व्यवस्थाओं का जायजा लेकर विद्यालय और आंगनबाड़ी केन्द्र पर कार्यक्रम सम्पादन के लिए रणनीति निर्माण करना।
- कार्यक्रम के आयोजन के दिन विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण करके प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

आपकी जानकारी के लिए

कृमि नियंत्रण की दवाई सभी बच्चों को देना जरूरी क्यों है, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है। हो सकता है कि आपके बच्चों में कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें, लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।
- गोली को हमेशा चबाकर खाने के लिए कहें। पीने का पानी साथ रखें।
- किसी भी चिकित्सीय सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें।
- अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/आशा/ए.एन.एम. से संपर्क करें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

क्या आप जानते हैं कि कृमि संक्रमण से बच्चों के स्वास्थ्य पर अनेक हानिकारक प्रभाव होते हैं, जैसे:

- खून की कमी (एनीमिया)
- कुपोषण
- भूख न लगना
- बेचैनी
- पेट में दर्द, उल्टी और दस्त
- वज़न में कमी आना

10 फरवरी 2017 - राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को कृमि नियंत्रण की दवाई स्कूलों एवं आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क दी जाएगी।

1. 1–6 साल के बच्चों को यह दवाई आंगनबाड़ी पर खिलाई जाएगी।
2. 6–19 साल के बच्चों को यह दवाई स्कूल में खिलाई जाएगी।
3. गैर पंजीकृत (आंगनबाड़ी) और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई आंगनबाड़ी पर खिलाई जाएगी।
4. एल्बेंडाजोल बच्चों के लिए सुरक्षित दवाई है। सुनिश्चित करें कि आपके बच्चे यह दवाई स्कूल/आंगनबाड़ी पर अध्यापक या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के हाथ से ही खाएँ। बच्चों को यह दवाई घर पर नहीं देनी चाहिए।

बच्चों को कृमि नियंत्रण के फायदे

सीधे फायदे
- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानित फायदे
- स्कूल और आंगनबाड़ी में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

याद रखें: 10 फरवरी 2017

अपने बच्चों को नज़दीकी आंगनबाड़ी और स्कूल पर अवश्य लाएं और कृमि नियंत्रण की दवाई निःशुल्क खिलवाएं।

जो बच्चे छूट जाएं उन्हे यह दवाई 15 फरवरी 2017 को अवश्य खिलवाएं

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

शिक्षा का अधिकार सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें

RCSE

unicef unite for children

Evidence Action